भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान द्वारा 16वें "भारतीय अंगदान दिवस" के उपलक्ष्य पर भारत सरकार के "जुग जुग जियो" जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत 04 अगस्त, 2026 को एक जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

ICFRE–Himalayan Forest Research Institute, Shimla organized an awareness programme on 04 August 2026 under the Government of India's "Jug Jug Jiyo" public awareness campaign to mark the 16th Indian Organ Donation Day.

भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा **16वें "भारतीय अंगदान दिवस"** के उपलक्ष्य पर भारत सरकार के **"जुग जुग जियो"** जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत **04 अगस्त**, **2026** को एक जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अंगदान के महत्व, उससे जुड़े वैज्ञानिक तथ्यों तथा समाज में इसके प्रति जागरूकता बढ़ाना था ।इस अवसर पर **डॉ. संजय राठौर**, **चिकित्सा विभाग**, **इंदिरा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय** (IGMC), **शिमला** ने "अंगदान: जीवन बचाने वाला कार्य" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में अंगदान के क्षेत्र में सबसे बड़ी चुनौती जन-जागरूकता की कमी है। यदि समाज में अंगदान के प्रति सही जानकारी और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित किया जाए, तो हजारों लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। डॉ. राठौर ने बताया कि एक स्वस्थ व्यक्ति अंगदान के माध्यम से लगभग आठ लोगों को नया जीवन प्रदान कर सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अंगदान की प्रक्रिया में परिवार की सहमति अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। कई बार व्यक्ति स्वयं अंगदान के लिए पंजीकरण कर चुका होता है, किन्तु परिवार की असहमति के कारण अंगदान संभव नहीं हो पाता। इसलिए उन्होंने परिवार के सदस्यों के साथ अंगदान संबंधी इच्छाओं को साझा करने पर विशेष बल दिया। डॉ. राठौर ने अंगदान हेतु पंजीकरण (Registration) की प्रक्रिया, अंगदाता बनने की पात्रता तथा राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (NOTTO) द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों से अंगदान के प्रति सकारात्मक सोच अपनाने तथा समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान **डॉ. मनीषा थपलियाल**, **निदेशक**, ने सभी प्रतिभागियों को अंग दान की शपथ दिलाई । इस अवसर पर **डॉ. पवन कुमार**, **वैज्ञानिक एवं प्रभागाध्यक्ष (विस्तार),** ने भारत सरकार के "जुग जुग जियो" अभियान तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित अंगदान जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी प्रतिभागियों को प्रदान की। उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य अंगदान के प्रति लोगों को प्रेरित करना तथा जीवन बचाने के इस महान कार्य में अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम का संचालन **श्रीमती शिल्पा**, **मुख्य तकनीकी अधिकारी,** हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अंगदान के महत्व को समझते हुए इस दिशा में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

ICFRE–Himalayan Forest Research Institute, Shimla organized an awareness programme **on 04 August 2026** under the Government of India's **"Jug Jug Jiyo"** public awareness campaign to mark the **16th Indian Organ Donation Day**. The objective of the programme was to create awareness about the importance of organ donation, its scientific aspects, and the need to promote a positive attitude towards organ donation in society. On this occasion**, Dr. Sanjay Rathore, Department of Medicine, Indira Gandhi Medical College (IGMC), Shimla**, delivered a lecture on the theme "Organ Donation: A Life-Saving Act." He emphasized that the greatest challenge in the field of organ donation today is the lack of public awareness.

He stated that thousands of lives could be saved if people were provided with accurate information and encouraged to adopt a positive outlook towards organ donation. Dr. Rathore explained that a healthy individual can potentially save or improve the lives of up to eight people through organ donation. He further highlighted that family consent plays a crucial role in the organ donation process. Dr. Rathore also explained the registration process for becoming an organ donor, the eligibility criteria for donation, and the facilities

provided by the National Organ and Tissue Transplant Organization (NOTTO). He encouraged participants to adopt a positive attitude towards organ donation and to spread awareness about its importance within society. During the programme, **Dr. Manisha Thapliyal, Director**, Himalayan Forest Research Institute, Shimla, administered the Organ Donation Pledge to all participants. On this occasion, **Dr. Pawan Kumar, Scientist and Head, Extension Division**, Himalayan Forest Research Institute, Shimla, informed the participants about the Government of India's "Jug Jug Jiyo campaign" and the organ donation awareness initiatives being implemented by the Ministry of Health and Family Welfare. He stated that the objective of the campaign is to motivate people towards organ donation and ensure greater public participation in this noble life-saving cause. The programme was conducted by **Ms. Shilpa, Chief Technical Officer**, Himalayan Forest Research Institute, Shimla. Scientists, officers, staff members, and other participants of the institute enthusiastically participated in the programme and resolved to spread awareness about the importance of organ donation.

<u>Glimpses of the Activity</u>

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
Himalayan Forest Research Institute, Shimla

****